SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 57 कानपुर, मंगलवार 31 अक्तूबर-2023 पृष्ठ -8

कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रारंभ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

समाज का साथी

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती-किसानी की स्थिति से होता है।

कृषि का नाम सुनते ही आज की आधुनिक पीढ़ी के मन में गाँव के कामधाम का चित्रण सामने आता है परन्तु वास्तविकता यह है कि देश की 70 ब्र जनसंख्या तो रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से ही जुड़ी है। और उभरते अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराया जाता है। फार्म योजना, वाटरशेड विकास इत्यादि से अवगत कराया जाता है, इसी कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम चलता है जिसमें केवीके प्रशिक्षण, एनजीओ प्रशिक्षण और विलेज स्टे छात्रों को इन रणनीतिक क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए मुख्य मॉड्यूल हैं। ग्रामीण प्रवास के दौरान, छात्र छात्राएं 90 कार्य के लिए ग्रामीण परिवारों के साथ रहते हैं, जो किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने व नवीनतम तकनीकियो से मुखातिब होने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है, और छात्र छात्राओं को कृषको के साथ उनकी परिस्थिति में रह कर प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के अलावा, रावे मॉड्यूल छात्रों की मानसिकता, दृष्टिकोण, व्यक्तित्व लक्षण, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।यह बदलाव विद्यार्थियों के लिए सोशल वर्क,एनजीओ, ग्राम विकास जैसे क्षेत्रों की तरफ भी आकर्षित करता है जहां भरपूर अवसर मौजूद हैं। कृषि एवं समाज कार्य इन दोनों ही क्षत्रों में असीम अवसर है। इस अवसर पर केंद्र के सभी वैज्ञानिक का उपस्थित रहे।

कोर्स ने चलाया स्वच्छता अभियान

असमर्थ हो जाती है। प्रमाण स्वरुप , पर्वत श्रृंखला,नादिया, जंगल आदि कितनी पवित्र और मनोहारी है जिसके दृश्य देखने

दिया है। इसलिए हम सभी को यह गांठ बांध लेना चाहिए कि कहीं भी पृथ्वी पर गंदगी करने का मतलब अपने जीवन से

मिलकर लगभग 550किलो ग्राम कूड़ा इकठ्ठा किया, और डस्टबिन तक पहुंचाया गया।इस अभियान में

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

गुजरात को 5941 करोड़ के विकास... 12

बड़े बेचैन से हैं हम मिलो तो चैन आ जाए, धुआं... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 21
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 31 अक्टूबर, 2023

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आकलन इसकी खेती किसानी की स्थिति से होता है: डॉ. अजय कुमार

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर सोमवार को बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। जिसमे केंद्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती-किसानी की स्थिति से होता है। देश की 70 फीसदी जनसंख्या रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि छात्रों को इस कार्यक्रम के माध्यम से इस दिशा में उभरते अवसरों, चुनौतियों, फार्म योजना, वाटरशेड विकास के विषय में जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम चलता है जिसमें केवीके प्रशिक्षण, एनजीओ प्रशिक्षण और विलेज स्टे छात्रों को इन रणनीतिक क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए मुख्य मॉड्यूल हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण प्रवास के दौरान छात्र छात्राएं 90 कार्य के लिए ग्रामीण परिवारों के साथ रहते हैं जो किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने व नवीनतम तकनीकियो के विषय में जानकारी प्रदान करता है। इसके साथ ही छात्र छात्राएं कृषको के साथ उनकी परिस्थिति में रह कर प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के अलावा, रावे मॉड्यूल छात्रों की मानसिकता, दृष्टिकोण,व्यक्तित्व लक्षण, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-233 कानपुर, मंगलवार 31 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रारंभ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

आज का कानपुर

कानपुर ।सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती-किसानी की स्थिति से होता है। कृषि का नाम सुनते ही आज की आधुनिक पीढ़ी के मन में गाँव के कामधाम का चित्रण सामने आता है परन्तु वास्तविकता यह है कि देश की 70 ब्र जनसंख्या तो रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से ही जुड़ी है। और उभरते अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराया जाता है। फार्म योजना, वाटरशेड विकास इत्यादि से अवगत कराया जाता है, इसी कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम चलता है जिसमें केवीके प्रशिक्षण, एनजीओ प्रशिक्षण और विलेज स्टे छात्रों को इन रणनीतिक क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए मुख्य मॉड्यूल हैं। ग्रामीण प्रवास के दौरान, छात्र छात्राएं 90 कार्य के लिए ग्रामीण परिवारों के साथ रहते हैं, जो किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने व नवीनतम तकनीकियो से मुखातिब होने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है, और छात्र छात्राओं को कृषको के साथ उनकी परिस्थिति में रह कर प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के अलावा, रावे मॉड्यूल छात्रों की मानसिकता, दृष्टिकोण, व्यक्तित्व लक्षण, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।यह बदलाव विद्यार्थियों के लिए सोशल वर्क,एनजीओ, ग्राम विकास जैसे क्षेत्रों की तरफ भी आकर्षित करता है जहां भरपूर अवसर मौजूद हैं। कृषि एवं समाज कार्य इन दोनों ही क्षत्रों में असीम अवसर है। इस अवसर पर केंद्र के सभी वैज्ञानिक का उपस्थित रहे 7

कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रारंभ हुआ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर आज बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती-किसानी की स्थिति से होता है। कृषि का नाम सुनते ही आज की आधुनिक पीढ़ी के मन में गाँव के कामधाम का चित्रण सामने आता है परन्तु वास्तविकता यह है कि देश की 70 न्न जनसंख्या तो रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से ही जुड़ी है। और उभरते अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराया जाता है। फार्म योजना, वाटरशेड विकास इत्यादि से अवगत कराया जाता है, इसी कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम चलता है जिसमें केवीके प्रशिक्षण, एनजीओ प्रशिक्षण और विलेज स्टे छात्रों को इन रणनीतिक क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए मुख्य मॉड्यूल हैं। ग्रामीण प्रवास के दौरान, छात्र छात्राएं 90 कार्य के लिए ग्रामीण परिवारों के साथ रहते हैं, जो किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने व नवीनतम तकनीकियो से मुखातिब होने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है, और छात्र छात्राओं को कृषको के साथ उनकी परिस्थिति में रह कर प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के अलावा, रावे मॉड्यूल छात्रों की मानसिकता, दृष्टिकोण, व्यक्तित्व लक्षण, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। यह बदलाव विद्यार्थियों के लिए सोशल वर्क,एनजीओ, ग्राम विकास जैसे क्षेत्रों की तरफ भी आकर्षित करता है जहां भरपूर अवसर मौजूद हैं। कृषि एवं समाज कार्य इन दोनों ही क्षत्रों में असीम अवसर है। इस अवसर पर केंद्र के सभी वैज्ञानिक का उपस्थित रहे।

अमर भारती
एक उम्मीद
www.amarbharti.com

कृषि विज्ञान केंद्र पर शुरु हुआ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

कानपुर, अमर भारती। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती-किसानी की स्थिति से होता है। कृषि का नाम सुनते ही आज की आधुनिक पीढ़ी के मन में गाँव के कामधाम का चित्रण सामने आता है परन्तु वास्तविकता यह है कि देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या तो रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से ही जुड़ी है। फार्म योजना, वाटरशेड विकास इत्यादि से अवगत कराया जाता है, इसी कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम चलता है जिसमें केवीके प्रशिक्षण, एनजीओ प्रशिक्षण और विलेज स्टे छात्रों को इन रणनीतिक क्षेत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए मुख्य मॉड्यूल हैं। ग्रामीण प्रवास के दौरान, छात्र छात्राएं 90 कार्य के लिए ग्रामीण परिवारों के साथ रहते हैं, जो किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने व नवीनतम तकनीकियो से मुखातिब होने का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है।

ट्रांजिट सिस्टम के रूप में कार्बन पर्यावरण के अनुकूल है। पर्यावरण को रूट शहर की महत्वपूर्ण शिक्षण और बाजारों को जोड़ती है

कृषि विज्ञान केंद्र पर प्रारंभ हुआ छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आंकलन उस देश की खेती.किसानी की स्थिति से होता है। कृषि का नाम सुनते ही आज की आधुनिक पीढ़ी के मन में गाँव के कामधाम का चित्रण सामने आता है परन्तु वास्तविकता यह है कि देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या तो रोजगार के क्षेत्र में खेती-किसानी से ही जुड़ी है। इस अवसर पर केंद्र के सभी वैज्ञानिक का उपस्थित रहे।